



କୁନ୍ଦ



ଇନ୍ଦୁ



तुषार



या शुभ्रवस्त्रावृता



वीणा



वरदम्ड



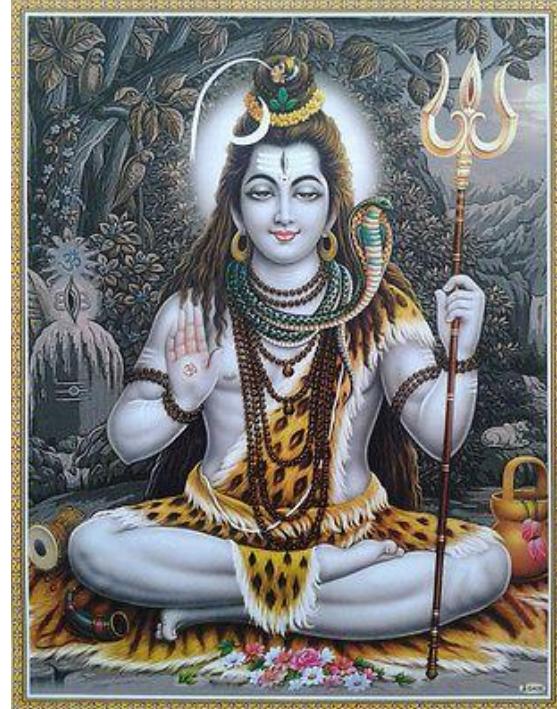
१वेतपद्
म



ब्रह्म



अच्युत



शन्कर



या कुन्देन्द्रुतुषारहारध्वला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभि देवैः सदा
वन्दिता
सा मां पात्रु सरस्वती भगवती
निःशेषजाङ्गापहा